भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. +2236

मंगलवार, 01 जनवरी, 2019 / 11 पौष, 1940 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

अहिल्या स्थान का विकास

+2236. श्री प्रभात झाः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार भगवान राम और माता सीता के जीवन से जुड़े स्थानों को आधुनिक तथा विश्व श्रेणी के पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करने के लिए 'रामायण सर्किट' नामक योजना पर कार्य कर रही है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या मिथिला क्षेत्र में स्थित 'अहिल्या' स्थान को भी रामायण सर्किट के तहत विकसित किया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री के.जे. अल्फोंस)

(क) और (ख) : रामायण परिपथ, पर्यटन मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिन्हित पन्द्रह थीमैटिक परिपथों में से एक है । पर्यटन मंत्रालय ने रामायण परिपथ थीम के अंतर्गत विकास के लिए प्रारंभिक रूप से पन्द्रह गंतव्यों नामत: अयोध्या, नंदीग्राम, श्रृंग्वेरपुर और चित्रकूट (उत्तर प्रदेश), सीतामढ़ी, बक्सर और दरभंगा (बिहार), चित्रकूट (मध्य प्रदेश), महेन्द्रगिरि (ओडिशा), जगदलपुर (छत्तीसगढ़), नासिक एवं नागपुर (महाराष्ट्र), भद्राचलम (तेलंगाना), हम्पी (कर्नाटक) और रामेश्वरम (तमिलनाडु) की पहचान की है ।

इस योजना के अंतर्गत विकास के लिए परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से की जाती है तथा निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशा-निर्देशों के अनुपालन तथा पूर्व में जारी की गई निधियों की उपयोगिता की शर्त पर उन्हें स्वीकृति प्रदान की जाती है ।

पर्यटन मंत्रालय ने इस योजना के अंतर्गत बिहार में अहिल्या स्थान की पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए किसी परियोजना को स्वीकृति नहीं दी है ।

****